डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह

विधायक - डीग-कुम्हेर विधानसभा

जन्मतिथि	:	20 जुलाई 1980
जन्म स्थान	:	सीकरी, भरतपुर
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
शिक्षा	:	एम.बी.बी.एस. (M.B.B.S)

पता : श्री दिगम्बर हॉस्पिटल, गुलजार बाग, भरतपुर - 321001

संपर्क : +91 98291 78959

ईमेल आईडी : drshaileshsingh217@gmail.com

पिता : स्व. डॉ. दिगम्बर सिंह
पूर्व कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार

माता : स्व. श्रीमती आशा सिंह

परिवार : डॉ. श्रीमती कीर्ति चौधरी (धर्मपत्नी),
कंदर्प सिंह (पुत्र), प्रियाशा सिंह (पुत्री)

व्यवसाय : मेडिकल प्रैक्टिस

विशेष अनुभव :

- ★ जनसेवा
- ★ नेतृत्वकर्ता
- ★ मानव संसाधन प्रबंधन
- ★ शिक्षण
- ★ कुशल वक्ता
- ★ संकट प्रबंधन

भाषा ज्ञान :

हिंदी, अंग्रेजी, बृज

जाति :

जाट (सामान्य)

परिचय

सार्वजनिक जीवन में 16 वर्षों के अनुभव के साथ डॉ. शैलेश सिंह ने अपने पिता स्व. डॉ. दिगम्बर सिंह जी के साथ डीग कुम्हेर सहित पूरे भरतपुर जिले के लोगों की सेवा की है। डीग कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह पेशे से डॉक्टर हैं। उन्होंने महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, नवी मुम्बई से वर्ष 2006 में एम.बी.बी.एस.की पढ़ाई पूर्ण की है।

डॉ. शैलेश सिंह 17 दिसम्बर 2019 से 17 जनवरी 2023 तक भारतीय जनता पार्टी, भरतपुर के जिलाध्यक्ष रहे। अपने कार्यकाल में उन्होंने भरतपुर जिले में भाजपा को सशक्त बनाने हेतु अथक प्रयास किए, जिसका परिणाम यह हुआ कि भरतपुर जिले की 7 विधानसभा सीटें, जिसमें एक भी विधायक भाजपा का नहीं था, विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा ने वहां पर 5 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

डॉ. शैलेश सिंह ने विधानसभा चुनाव 2023 में तीन बार के सांसद, दो बार के विधायक, तत्कालीन राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री, पूर्व भरतपुर राज परिवार के सदस्य विश्वेन्द्र सिंह को 7895 वोटों से हराकर इतिहास रचा। अपने जिलाध्यक्ष कार्यकाल के दौरान उन्होंने कांग्रेस सरकार और पार्टी की नाकामियों, भरतपुर जिले की समस्याओं, विकास में भेदभाव जैसे मुद्दों पर जनता को जागरूक करने एवं भाजपा के संगठनात्मक क्रिया कलापों से जनता को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

डॉ. शैलेश सिंह ने भाजपा राजस्थान के अभियान 'जन आक्रोश यात्रा' को भरतपुर जिले की सभी विधानसभाओं में सफल बनाया, जिससे बड़ी संख्या में लोग भाजपा से जुड़े और अभियान को ऐतिहासिक जन समर्थन प्राप्त हुआ। भाजपा के "नहीं सहेगा राजस्थान" अभियान के दौरान भी डॉ. सिंह ने इसे जमीनी स्तर और सोशल मीडिया पर सक्रियता से संचालित लिया।

राजनीतिक पृष्ठभूमि

डॉ. शैलेश सिंह के पिता स्व. डॉ. दिगम्बर सिंह जी 12 वीं राजस्थान विधानसभा के सदस्य (2003-2008) रहे हैं , जिसके अंतर्गत उन्होंने बतौर कैबिनेट मंत्री - चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेदिक विभाग (31 मई 2004 से 24 दिसंबर 2007) एवं उद्योग, राजकीय उपक्रम एवं खादी भंडार (25 दिसंबर 2007 से 11 दिसंबर 2008 तक) का सफल कार्यकाल पूर्ण किया।

स्व. श्री दिगम्बर सिंह जी पुनः 13 वीं राजस्थान विधानसभा के सदस्य (वर्ष 2008-2013) निर्वाचित हुए। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष (वर्ष 2010-2014) के रूप में कार्य किया। उन्हें बीस सूत्रीय कार्यक्रम, राजस्थान सरकार के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) 29 जून 2015 से 27 अक्टूबर 2017 तक) के रूप में भी कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ।

स्व. श्री दिगम्बर सिंह जी ने पंचायती राज, कानून, कृषि और सामाजिक न्याय मंत्रालयों का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला है। डॉ. शैलेश सिंह के परिवार का पिछले 4 दशकों से अधिक समय से भारतीय जनता पार्टी से बहुत अच्छा संबंध रहा है।

सामाजिक सेवा

अपनी एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई पूर्ण करने के उपरांत चिकित्सक के रूप में सेवाएं देते हुए डॉ. शैलेश सिंह, अपने पिता एवं राजस्थान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. डॉ. दिगंबर सिंह के साथ जनसेवा के कार्यों को बखूबी निभाते रहे।

कोविड महामारी के दौरान उन्होंने जरूरतमंदों तक भोजन सामग्री, दवाइयाँ पहुंचाने, दूसरे राज्यों से राजस्थान की सीमा पर आये मजदूरों की मदद करने के साथ ही तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भरतपुर में हुए वेंटिलेटर घोटाले के मुद्दे को ज़ोर शोर से मीडिया में उठाया, जिसने गहलोत सरकार की नाकामी की पोल खोली।

कोविड के समय उन्होंने चिकित्सक के रूप में सेवाएं देते हुए रोगियों को लगातार चिकित्सकीय परामर्श देने का काम किया और कई सरकारी, प्राइवेट अस्पतालों में लोगों के लिए बेड का इंतज़ाम किया। एक मज़बूत विपक्ष के रूप में वे कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन पर अपनी आवाज बुलंद करते रहे।डॉ. शैलेश सिंह कोविड के समय 'संवाद टू यू' कार्यक्रम से जुड़े और उन्होंने आमजन की कोविड से जुड़ी चिंताओं को दूर करने का प्रयास किया। वे "नर सेवा नारायण सेवा" के संदेश को आत्मसात करते हुए समय समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करते रहे हैं एवं स्वयं भी नियमित रक्तदाता हैं।

डॉ. शैलेश सिंह गौ सेवा के कार्यों से लगातार जुड़े रहे हैं। मेवात में गौतस्करी के मुद्दे पर वे लगातार मुखर रहे हैं और अब अपने कार्यकाल में उन्होंने कुम्हेर में एक विशाल गौशाला के निर्माण का संकल्प किया है। सामूहिक विवाह सम्मेलनों में डॉ. सिंह अलग अलग समितियों को आर्थिक सहयोग कर रहे हैं, जिससे सैकड़ों गरीब बेटियों के विवाह निःशुल्क संपन्न हो रहे हैं।

उपलब्धियाँ

डॉ. शैलेश सिंह, भरतपुर जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष, ओलंपिक संघ - भरतपुर के जिला अध्यक्ष एवं राजस्थान कबड्डी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। वे लगातार भरतपुर ज़िले सहित राजस्थान के खिलाड़ियों की सुविधाओं के लिए प्रयास कर रहे हैं।

बतौर जिला कबड्डी संघ अध्यक्ष खिलाड़ियों को कबड्डी किट एवं ट्रैक सूट प्रदान करना, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी मेट की सुविधा, खिलाड़ियों को अच्छी कोचिंग एवं रेसलिंग, बॉलीबॉल जैसे खेलों में भी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिये सहायता कर रहे हैं। वे अपने निजी खर्च से भी जरूरतमंद खिलाड़ियों को मदद करते रहे हैं।

डॉ. शैलेश सिंह, शिक्षण जगत में भी सराहनीय काम कर रहे हैं। वर्तमान में उनके द्वारा दौसा में इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक कॉलेज, भरतपुर में नर्सिंग कॉलेज एवं स्कूल संचालित हैं।

ईमानदार और सेवाभावी छवि होने से डॉ. शैलेश सिंह के सर्व समाज के लोगों के साथ अच्छे संबंध हैं। वे युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं, युवाओं में उनकी पहचान शैली भईया के नाम से अधिक है।